

इस कार्यक्रम में उद्यमी शिक्षण फाउंडेशन तकनीकी भागीदार के रूप में कार्य कर रहा है। शिक्षकों और छात्रों की मदद के लिए एक समर्पित 'उद्यमशीलता और वित्तीय साक्षरता पाठ्यक्रम' और विद्यार्थी अभ्यास पुस्तिका भी तैयार किया गया है। सभी जिलों को इन नामांकनों को ऑनलाइन गूगल फॉर्म के माध्यम से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।



रणबीर की रामायणम करेगी 3300 करोड़ से ज्यादा कमाई?

नई दिल्ली। नितेश तिवारी के निर्देशन बन रही रामायणम दो पार्ट में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन, अभी से ही इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर अनुमान आने शुरू हो गए हैं। मशहूर थिएटर ओनर और फिल्म ट्रेड एनालिस्ट विश्वेश चौहान का कहना है कि रामायणम कमाई के मामले में रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर

फ्रैंचाइजी के 3300 करोड़ रुपये के कलेक्शन के रिकॉर्ड को तोड़ देगी। धुरंधर फ्रैंचाइजी ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। यह आमिर खान की दंगल के बाद दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई। अब सबकी नजर रणबीर की रामायणम पर टिकी हुई है। विश्वेश चौहान ने आगे कहा कि रामायणम लोगों के दिल के बहुत करीब है।

लाइफ Style

माना जाता है कि एक सफल प्रोजेक्ट कलाकार की आगे की राहें आसान कर देता है। हालांकि, साल 2024 में प्रदर्शित वेब सीरीज 'तुकरा के मेरा प्यार' की सफलता के बाद भी अभिनेत्री संचिता बासु की कहानी कुछ अलग दिखती है। हाल ही में इस शो का दूसरा सीजन जियो हॉटस्टार पर प्रदर्शित हुआ, दोनों सीजन के बीच में संचिता ने कोई दूसरा शो नहीं किया। वह कहती है, "मैंने ऐसा सोच समझकर नहीं किया। मैं तो काम रही थी, लगातार ऑडिशन दे रही थी।

संचिता

परिवार के खिलाफ जाकर की एक्टिंग

एंगेली ►► मुंबई

मुझे बस अच्छे प्रोजेक्ट का इंतजार था, जिसमें मैं अपनी भूमिका न्यायसंगत तरीके से निभा सकूँ। 'तुकरा के मेरा प्यार' के पहले सीजन के पहले मैं इस इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थी। उसके बाद मुझे कास्टिंग निर्देशकों के जिस तरह से फोन या मैसेज आए हैं, उससे ये पता चलता है कि अब लोग मुझे इंडस्ट्री में पहचान गए हैं।' शो का नायक और संचिता के पात्र का प्रेमी आगे चलकर आईएसएस अधिकारी बन जाता है। ऐसे में बिहार के भागलपुर से आने वाली संचिता अपने अभिनय सफर के बारे में बताती हैं, 'मेरे पापा चाहते थे कि मैं आईएसएस अधिकारी बनूँ, क्योंकि मैं बिहार से हूँ। वहाँ के माता-पिता की अपने बच्चों से यही उम्मीद होती है कि उनका बच्चा इंजीनियर, डॉक्टर बने या यूपीएससी पास कर आईएसएस अधिकारी बने। हालांकि, मैंने इनमें से कुछ नहीं किया मैंने तीसरा रास्ता (अभिनय) चुना।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे बचपन से ही फिल्मों की दुनिया बहुत पसंद रही है। जब भी मैं कोई फिल्म देखती थी तो अंदर से दिल करता था कि मैं भी एक्टिंग करूँ। मैंने आठवीं या नौवीं कक्षा में टिकटॉक वीडियोज से एक्टिंग करना शुरू किया था। धीरे-धीरे मेरा सफर आगे बढ़ता गया, लोगों को मेरे वीडियोज पसंद आने लगे। उसी प्रवाह में आगे बढ़ते हुए मैंने अपना पहला ऑडिशन दिया, जिससे मुझे मेरी पहली तेलुगु फिल्म मिली। फिर धीरे-धीरे मैं पूरी तरह से इस पेशे में ढल गई।'



तलाक के बाद अब प्यार की कमी हो रही महसूस

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल और बिजनेसमैन भरत तख्तानी की शादी साल 2024 में टूट गई थी। इस कपल ने अलग होने का ऐलान कर हर किसी को हैरान कर दिया था। हालांकि, दोनों अपनी दो बेटीयों की परवरिश मिलकर कर रहे हैं। वहीं, ईशा ने अब अपनी पर्सनल जिंदगी के बारे में बात करते हुए माना है कि उन्हें अपनी लाइफ में प्यार की कमी महसूस होती है। फिर भी, उन्होंने ये भी कहा कि वह उम्मीद बनाए हुए हैं और दोबारा प्यार पाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में, ईशा 'कलौ टेलस' के एक पॉडकास्ट में शामिल हुई थीं यहाँ उन्होंने भरत तख्तानी से अलग होने के बारे में खुलकर बात की। ईशा ने माना कि उन्हें अपनी जिंदगी में अभी प्यार और रोमांस की कमी महसूस हो रही है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि प्यार और रोमांस किसी ईसान की जिंदगी में सबसे जरूरी चीजें हैं, जिनकी मुझे अभी कमी महसूस हो रही है, मुझे रोमांटिक होना पसंद है।



तब्बू को माचिस के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलने पर हुई थी जलन

नई दिल्ली। साल 1996 में आई गुलजार की फिल्म 'माचिस' को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। खासतौर फिल्म में तब्बू की अदाकारी ने लोगों का दिल जीत लिया था। वहीं, इस फिल्म में दमदार एक्टिंग के लिए तब्बू को साल 1997 में 'बेस्ट एक्ट्रेस' का पहला नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला था। दिलचस्प बात ये है कि उस साल अवॉर्ड की दौड़ में सोनाली कुलकर्णी भी शामिल थीं। हालांकि, तब्बू ने बाजी मार ली थी। अब सोनाली ने खुलासा किया है कि उन्हें उस समय बहुत गुस्सा आया और तब्बू से काफी जलन भी हुई थी। बता दें कि सोनाली कुलकर्णी की फिल्म 'दायरा' साल 1996 में आई थी। अमोल पालेकर की इस फिल्म में सोनाली की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। वहीं, उस दौर को याद करते हुए, सोनाली ने कहा कि उस समय अवॉर्ड जीतने वाले हर किसी से उन्हें जलन होती थी।

योलान्डा ने 62 साल की उम्र में की सगाई

लॉस एंजिल्स। सुपरमॉडल जीजी हदीदी और बेला हदीदी की मां योलान्डा किसी जमाने में भी खुद भी मॉडल रही थीं। हाल ही में उनकी सगाई की खबर सामने आई है। 62 साल की उम्र में वह तीसरी बार अपना घर बसाने वाली हैं। योलान्डा हदीद की सगाई की खबर ने फैस और सोशल मीडिया यूजर्स को चौंका दिया। दरअसल, उन्होंने अपने नए रिश्ते को दुनिया से अब तक छिपाकर रखा था। खबर है कि उन्होंने बिजनेसमैन रैंडी कैड्रिक से सगाई की है। बता दें इससे पहले उन्होंने जोसेफ जिंगोली से सगाई की थी, लेकिन यह कुछ समय बाद टूट गई थी। रैंडी कैड्रिक ने इस सप्ताह के शुरुआत में योलान्डा की प्रपोज किया। योलान्डा ने भी उनका प्रपोजल स्वीकार कर लिया। इस सगाई की खबर ने अब फैस, सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। दरअसल, अब तक रैंडी कैड्रिक और योलान्डा की डेटिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं थी। योलान्डा के मंगेतर रैंडी कैड्रिक रियल एस्टेट से जुड़े बिजनेसमैन हैं।

टीवी मसाला



लोग कहते हैं अकेली रह जाओगी मुझे यही पसंद : मुनमुन

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दाता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी की खूबसूरत झलकियाँ फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी जानी का एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया। इस वीडियो के साथ मुनमुन ने एक ऐसा कैप्शन लिखा, जिसने उनकी सोच साफ जाहिर कर दी। उन्होंने लिखा, 'लोग कहते हैं कि तुम हमेशा अकेली रह जाओगी और मेरा जवाब है- बहुत बढ़िया, मुझे यही पसंद है।' उन्होंने कहा- मैंने अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीने का फैसला किया है और मैं इसे किसी और तरीके से नहीं जीना चाहती। वीडियो में मुनमुन अलग-अलग जगहों पर घूमते हुए, नई चीजें सीखते हुए और हर पल का आनंद लेते हुए नजर आ रही हैं। उन्हें घूमने-फिरने का काफी शौक है और वह अक्सर विदेश यात्राओं की तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। इस ट्वेल वीडियो ने समुद्र किनारे बिलाए पल, बोट राइड, रेमिस्तान की रैर, खूबसूरत नजारे और एडवेंचर से जुड़ी कई यादगार झलकियाँ देखने को मिलती हैं। इसके अलावा मुनमुन ट्रैकिंग करती, नए लोगों से मिलती, सड़क पर डांस करती और अलग-अलग संस्कृतियों को करीब से जानती भी नजर आई। पोस्ट शेयर होते ही फैंस ने खूब प्यार बरसाया। दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी ने भी कमेंट करते हुए लिखा, 'सबसे प्यार और सबसे खुश।' इससे पहले रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में मुनमुन ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से जुड़ी कई बातें शेयर की थीं।

बदलते दौर के साथ बदली है कॉमेडी

नई दिल्ली। अली अख्तर उमर सधे हुए कलाकारों में से हैं, जिन्होंने हर किरदार में जान डाली है। बात कॉमेडी की आई, तो उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है, जो ताऊज दुनिया को हंसाते रहेगी। टीवी पर कॉमेडी सर्टिस, जरा नक्कल दिख, एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा जैसे शोज के जरिए वह दर्शकों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। 55 साल के अली कहते हैं कि बदलते दौर के साथ अब कॉमेडी भी बदल गई है। एक बातचीत में उन्होंने कॉमेडी के बदलते स्वरूप पर बो टुक राय दी। कहा, जैसे-जैसे दौर बदलता है, वैसे-वैसे कॉमेडी भी बदलती है। जब कॉमेडी सर्टिस शुरू हुआ तो बहुत लंबा चला। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वही चीज आज उतना चल पाएगी, क्योंकि आखिर आप कितनी चीजें क्रिएट करोगे। अली अख्तर मानते हैं कि समय के साथ ही ऑडियंस भी जल्दी उब जाती है। अब दर्शकों का अटेंशन स्पेन कम हो गया है। अब इंस्टाग्राम वॉल्स वगैरह के कारण 15-30 सेकंड तक या ज्यादा से ज्यादा 1 मिनट तक ही आप दर्शकों को रोक सकते हैं।



द इंडिया स्टोरी का टीजर रिलीज, कीटनाशक के खिलाफ कोर्ट में उतरीं काजल!

एंगेली ►► मुंबई

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अगली फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। शुक्रवार को इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। द इंडिया स्टोरी 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दुनियाभर में रिलीज की जाएगी।



टीजर की शुरुआत एक बड़े प्रदर्शन से होती है, जहां किसान और आम लोग सड़कों पर उतरकर वकील अर्चना (काजल अग्रवाल) के खिलाफ विरोध करते नजर आते हैं। थोड़ उनकी गिरफ्तारी की मांग करती है और गुस्से में उनके पोस्टरों पर कालिख पोतती दिखाई देती है। इसके बाद कहानी कोर्टरूम में पहुंचती है। यहां श्रेयस तलपड़े का किरदार योगेश पांडे अपनी 7 साल

की बेटी की मौत के लिए न्याय मांगता है। उसका कहना है कि उसकी बेटी की मौत कैंसर से नहीं, बल्कि खाने में मौजूद मिलावट और पेस्टिसाइड की वजह से हुई है। इस केस में काजल अग्रवाल का किरदार अर्चना पेस्टिसाइड बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ लड़ाई करती नजर आती हैं। टीजर के आखिर में एक चौंकाने वाला सीन भी है, जहां प्रदर्शन के बीच एक महिला काजल अग्रवाल को थपड़ मार देती है। यह फिल्म पेस्टिसाइड और खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे को सामने लाती है और दिखाती है कि कैसे यह धीरे-धीरे हमारी सेहत और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित कर रहा है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है और इसे सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है।

1952 में छपा हिंदी उपन्यास, 1992 में बनी फिल्म

मानेक मुल्ला को हुआ जमुना, सती, लिली से प्यार, जीता नेशनल अवॉर्ड



उपन्यास से परे तक का दिलचस्प सफर

हम बात कर रहे हैं श्याम बेनेगल की फिल्म सूरज का सातवां घोड़ा की। ये फिल्म प्रसिद्ध साहित्यकार धर्मवीर भारती के इसी नाम के उपन्यास पर बेस्ठ थी। धर्मवीर भारती का ये उपन्यास 1952 में प्रकाशित हुआ था और हिंदी साहित्य में इसका खास स्थान है। श्याम बेनेगल ने उपन्यास की कॉम्प्लेक्सिटी और मेटाफर्स को बेहद खूबसूरती से फिल्म में पेश किया। यहीं वजह रही कि फिल्म को 1993 में बेस्ट हिंदी फीचर फिल्म का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। फिल्म में रजित कपूर, राजेशवरी सचदेव, पल्लवी जोशी, नीना गुप्ता, अमरीश पुरी और रघुवीर यादव जैसे कलाकार नजर आए।

मानेक मुल्ला और तीन महिलाओं की कहानी

फिल्म का फोकस मानेक मुल्ला नाम का किरदार पर है। जो अपने दोस्तों को तीन महिलाओं से जुड़ी कहानियाँ सुनाता है। ये महिलाएँ हैं जमुना, लिली और सती। दिलचस्प बात ये है कि ये सिर्फ तीन अलग-अलग प्रेम कहानियाँ नहीं हैं, बल्कि समाज के तीन अलग-अलग वर्गों से बिलोन्नत करती हैं। जमुना मिडिल क्लास दुनिया की झलक दिखाती है, लिली एंजुकेटेड वर्ग का प्रतीक है, जबकि सती समाज के गरीब तबके की कहानी सामने लाती है। मानेक मुल्ला की नजर से सुनाई गई ये कहानियाँ प्रेम के पारंपरिक नजरिए को चुनौती देती हैं और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती हैं। फिल्म की सबसे खास बात इसका अनेखा कहानी कहने का तरीका है। पूरी कहानी यादों, किस्सों और अलग-अलग नजरिए से आगे बढ़ती है।

70 साल पहले हिट हुई थी यह क्लासिक फिल्म

किशोर का गाना सुनकर डर गए थे दूल्हे, सिंगर ने दी थी चेतावनी!

एंगेली ►► नई दिल्ली

बॉलीवुड के दिग्गज सिंगर किशोर कुमार ने सिर्फ अपनी दमदार आवाज के लिए जाने जाते हैं, बल्कि उनकी एक्टिंग के भी फैंस दीवाने रहे। इस बात में कोई शक नहीं कि किशोर कुमार एक वर्सटाइल एक्टर थे। अपने कैरियर में किशोर ने कई सुपरहिट फिल्मों और कई आईकॉनिक गाने दिए हैं। किशोर कुमार को लेकर इंडस्ट्री में न जाने कितने किस्से भरे पड़े हैं। उनके हर गाने के साथ-साथ कोई न कोई मजेदार किस्सा जुड़ा है। लेकिन, क्या आप जानते हैं 70 साल पहले किशोर कुमार का एक ऐसा गाना था, जिसे सुनकर दूल्हे डर गए थे।

ये है वो गाना

हम बात कर रहे हैं साल 1956 में रिलीज हुई क्लासिक फिल्म 'परिवार' की। इस फिल्म में किशोर कुमार ने एक्टिंग करने के साथ ही इसके सभी गानों को अपनी आवाज दी थी। वहीं, हम इस फिल्म के जिस गाने की बात रहे हैं वो गाना है 'कुवे में कूद के मर जाना, यार तुम शादी मत करना'। इस गाने में किशोर कुमार ने दूल्हों और कुंवारां को चेतावनी दी थी कि भले ही कुएं में डूबकर मरना पड़े, लेकिन किसी भी हाल में शादी मत करना।



21 बार बदली थी अपनी आवाज

'कुवे में कूद के मर जाना, यार तुम शादी मत करना' इस मजेदार गाने को संगीतकार रसिल चौधरी ने कंपोज किया था। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस आइकॉनिक ट्रैक में किशोर कुमार ने मेल और फीमेल के अलावा 21 अलग-अलग वैरिएशन दिए थे। इस 8 मिनट से ज्यादा के गाने 'कुवे में कूद के मर जाना, यार तुम शादी मत करना' में किशोर कुमार ने अलग-अलग किरदारों और भावनाओं को दिखाने के लिए अपनी आवाज में 21 बार (या उससे अधिक) बार बदलाव किए थे।

चार्टबस्टर था ये गाना

साथ ही बताया था कि शादी करने के बाद क्या-क्या मुसीबतें उनके गले पड़ेंगी। इस गाने ने उस दौर में लोगों पर खासा प्रभाव डाला था। साल 1956 में जब ये गाना आया था, जब ये काफी समय तक दोस्तों की शादियों में दूल्हे की टांग खींचने के लिए उनसे दोस्त उसे सुनाते थे और खूब मस्ती मजाक करते थे। आज भी ये गाना शादियों में अक्सर सुनने को मिलता है। ये गाना उस दौर के चार्टबस्टर हुआ था।
शेलेट्र ने लिखे थे गाने के बोल
शेलेट्र द्वारा लिखे गए इस गाने में किशोर दा ने कभी बच्चे की आवाज, कभी बूढ़े की आवाज, तो कभी रोने और गिड़गिड़ाते जैसी कई हास्यपूर्ण आवाजों का इस्तेमाल करके संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। बता दें कि यह गाना किशोर कुमार की बेहतरीन गायकी और वॉयस मॉड्यूलेशन का एक शानदार नमूना है।
परिवार फिल्म के बारे में
परिवार फिल्म में किशोर कुमार के अलावा दुर्गा खोटे, सज्जन लाल पुरोहित, सुलोचना लाटकर, उषा किरण जैसे दिग्गज कलाकार लीड रोल में थे। कहानी की बात करें तो इसमें एक ज्वाइंट फैमिली दिखाई गई थी, जिसमें चार भाई, उनकी पत्नियां और उनके बच्चे शामिल हैं। ये भी एक ही छत के नीचे रहते हैं। उनमें से कोई भाई एक वकील, एक डॉक्टर और दूसरे व्यवसायी हैं। वे एक खुशहाल परिवार हैं, जो रहते हैं और एक-दूसरे के सुख-दुख साझा करते हैं। फिर एक दिन, एक गिलास दूध को लेकर बहस शुरू हो जाती है और पूरा परिवार अस्त-व्यस्त हो जाता है।

एसपी ने पुलिस-पब्लिक कॉर्डिनेशन कमेटी के सदस्यों के साथ की बैठक, कानून-व्यवस्था और जनसहभागिता को लेकर लिए अहम निर्णय

मुख्य बाजारों में ट्रैफिक होगा कंट्रोल, अवैध पार्किंग पर करेंगे नियंत्रण

■ जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना पुलिस की प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

कानून-व्यवस्था को ओर अधिक सुदृढ़ बनाने और पुलिस व आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक दीपक ने पुलिस-पब्लिक कॉर्डिनेशन कमेटी एवं शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में जनसमस्याओं पर विस्तार से

चर्चा की गई तथा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियानों एवं भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा की गई। बैठक की शुरुआत में पुलिस अधीक्षक ने पिछली बैठक में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर की गई कार्रवाई का फीडबैक लिया। इसके बाद कमेटी के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित समस्याएं, सुझाव एवं स्थानीय आवश्यकताओं से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक दीपक ने सभी समस्याओं को गंभीरता एवं



नारनौल। कमेटी की बैठक लेते एसपी दीपक।

फोटो : हरिभूमि

संवेदनशीलता से सुनते हुए कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना पुलिस की प्राथमिकता है।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नारनौल शहर में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारु एवं सुरक्षित बनाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। प्रमुख बाजारों एवं व्यस्त मार्गों पर यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने, अवैध पार्किंग पर नियंत्रण तथा आमजन की सुविधा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि होटलों, गैरेज हाउसों एवं अन्य ठहराव स्थलों में किसी भी प्रकार की गैर-कानूनी गतिविधियों

को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे स्थानों पर नियमित निरीक्षण एवं सत्यापन अभियान चलाकर कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिले के विभिन्न गांवों, कस्बों एवं शहरी क्षेत्रों में नियमित पुलिस-पब्लिक मीटिंग आयोजित की जाएंगी, ताकि लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका प्रभावी समाधान किया जा सके और पुलिस-जनता के बीच विश्वास और सहयोग को और मजबूत बनाया जा सके।

मुहिम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है

बैठक में पुलिस द्वारा नशा तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की सदस्यों ने सराहना करते हुए कहा कि इस मुहिम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। सदस्यों ने आश्वासन दिया कि वे भी अपने-अपने क्षेत्रों में युवाओं को नशे से दूर रखने तथा जागरूकता फैलाने में पुलिस का पूरा सहयोग करेंगे। जिला पुलिस अवैध खनन, अवैध हथियार, नशा तस्करी तथा अन्य संगठित अपराधों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी प्रकार की गैर-कानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन ने एसई को सौपा ज्ञापन, मांगों पर मिला आश्वासन

क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों के तेल एवं अन्य सामग्री की 50% शेष कमी को माफ करने की मांग भी की

जेई की चार्जशीट वापस लेने की मांग, आंदोलन की चेतावनी



नारनौल। एसई जोगेंद्र सिंह हुड्डा को ज्ञापन सौंपती युनियन।

फोटो : हरिभूमि

■ ट्रांसफार्मर बदलने के दौरान महेश की करंट लगने से मृत्यु हुई, इस मामले में जेई-प्रथम विजय कुमार के खिलाफ चार्जशीट अनुचित

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

एचएसईडी डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन नारनौल सर्किल ने शुक्रवार को जिला प्रधान सत्यपाल के नेतृत्व में अधीक्षण अभियंता (ऑपरेशन) जोगेंद्र सिंह हुड्डा को विभिन्न लंबित मांगों को लेकर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन ने सबसे प्रमुख मांग के रूप में जेई-प्रथम विजय कुमार सैनी के विरुद्ध जारी चार्जशीट को तत्काल वापस लेने की मांग उठाई। ज्ञापन सौंपने के बाद अधीक्षण अभियंता ने एसोसिएशन के प्रतिनिधियों,

एसडीओ और जेई के साथ विस्तृत बैठक की, जिसमें सभी मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के बाद अधीक्षण अभियंता ने मांगों के समाधान के लिए सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसोसिएशन ने ज्ञापन में कहा कि 14 नवंबर 2025 को क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर बदलने के दौरान हुई दुर्घटना में लोरिंग मशीन ऑपरेटर महेश कुमार की करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। इस मामले में जेई-प्रथम विजय कुमार के खिलाफ जारी चार्जशीट पूरी तरह अनुचित है। एसोसिएशन का कहना है कि दुर्घटना के समय विजय कुमार मौके पर मौजूद नहीं थे तथा लोरिंग मशीन ऑपरेटर को उपभोक्ता ने अपने स्तर पर बुलाया था। इसलिए जेई को इस घटना के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता और उनके विरुद्ध जारी चार्जशीट तत्काल

वापस ली जानी चाहिए। इसके अलावा एसोसिएशन ने जेई के खातों में लंबित शॉर्टेज रूपी राशि यानि क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों के तेल एवं अन्य सामग्री की 50 प्रतिशत शेष कमी को विभागीय आदेशों के अनुरूप माफ करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि विभाग के अधिकांश सर्किलों में यह कमी पहले ही माफ की जा चुकी है, जबकि नारनौल सर्किल के आठ जेई अभी भी इस राहत से वंचित हैं।

बैठक में अधीक्षण अभियंता जोगेंद्र सिंह हुड्डा ने एसोसिएशन की सभी मांगों को गंभीरता से सुना। एसडीओ एवं जेई की मौजूदगी में लंबी चर्चा के बाद उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी मामलों की नियमानुसार समीक्षा कर उचित एवं सकारात्मक समाधान कराया जाएगा।

रिकवरी नोटिस नहीं देने की मांग

एसोसिएशन ने यह भी मांग उठाई कि सात दिन के भीतर डिवीजल स्टोर में जमा करिए गए क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों का समायोजन किए बिना किसी भी जेई को रिकवरी नोटिस जारी न किया जाए। साथ ही जेई जेडी सैनी से जुड़े लंबित मामले का शीघ्र निस्तारण करने तथा पूर्व में भेजे गए सभी मांग-पत्रों पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग भी दोहराई गई। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों को उठाने, स्टोर से सामग्री जारी करवाने तथा ट्रांसफार्मर प्रतिस्थापन सहित कई कार्य बंद करने जैसे आंदोलनात्मक कदम उठाने पड़ेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी।

ये रहे मौजूद

प्रधान सत्यपाल (जेई-1), विजय कुमार (जेई-1), गजराना यादव (जेई-1), जितेंद्र यादव (जेई-1), नरेंद्र कुमार (जेई-1), वेदप्रकाश (जेई-1), दलीप सिंह (जेई-1), संजय कुमार, दीपांशु (जेई), कुलदीप (जेई), नवीन कुमार (जेई), अंकित (जेई), ओमसिंह, कैलाश चंद (जेई) तथा अमित कुमार (जेई) आदि मौजूद रहे।

दूसरे दिन भी गरजे बिजली कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

केंद्रीय परिषद के आह्वान पर हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर्स यूनियन के बैनर तले सिंधाना रोड स्थित एसडीओ (ग्रामीण) कार्यालय परिसर में बिजली कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता केंद्रीय परिषद के सहसचिव सुभाष रोहिल्ला ने की, जबकि मंच संचालन यूनिट प्रधान सत्यप्रकाश ने किया। धरने को संबोधित करते हुए यूनिट प्रधान सत्यप्रकाश ने सरकार से पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी समाप्त करने, डीसी रेट एवं एचकेआरएन कर्मचारियों को नियमित करने, कर्मचारियों के भत्तों में बढ़ोतरी करने, जोखिम भत्ता देने, बाहरी जोन में कार्यरत कर्मचारियों का स्थानांतरण करने तथा चिकित्सा सुविधाओं के साथ कैशलेस मेडिकलेम पॉलिसी लागू करने की मांग की।

निजीकरण व एग्री डिस्कॉम का किया विरोध वरिष्ठ उपप्रधान राकेश यादव ने कहा कि सरकार बिजली क्षेत्र के निजीकरण की नीति पर रोक लगाए और



हरियाणा एग्री डिस्कॉम बनाने की योजना को वापस ले। उन्होंने कहा कि विभाग में लंबे समय से रिक्त पदों को नियमित भर्ती के माध्यम से भरा जाए, ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी वापस ली जाए तथा कर्मचारियों को जोखिम भत्ता और कैशलेस मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने एक्सप्रेसिवा पॉलिसी-2019 में संशोधन और वेतन विसंगतियों के समाधान की भी मांग उठाई। धरने में राकेश यादव, सुरेश स्वामी, जितेंद्र डांगी, चंद्रजीत यादव, विनीत जांगड़ा, बिरेंद्र, पंकज जेई, बलवान, अशोक यादव, प्रमोद शर्मा, प्रवीण जेई, मनोज कुमार, हरीश, नरेंद्र जेई, रविंद्र यादव, जीतू जांगड़ा सहित बड़ी संख्या में बिजली कर्मचारी उपस्थित रहे।

गिरते लिंगानुपात में सुधार लाएं, बेटियों को बचाएं

महेन्द्रगढ़। गिरते लिंगानुपात में सुधार तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सेहलंग में एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसएमओ डॉ. प्रभा यादव ने की। बैठक में उपस्थित एचएमएम, आशा कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को कच्चा भूग हट्या की रोकथाम, बेटियों के सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। डॉ. प्रभा यादव ने कहा कि बेटियों परिवार, समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं तथा उनके संरक्षण और शिक्षा के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक गर्भवती महिला का पंजीकरण गर्भाशय के 10 सप्ताह से पहले सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं एवं परामर्श उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही एचसी सेहलियों को गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करने तथा उन्हें स्वस्थ-समय पर स्वास्थ्य जांच और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान सभी प्रतिभागियों ने कच्चा भूग हट्या पर पूर्ण रोक लगाने, गिरते लिंगानुपात में सुधार लाने तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

मांग

■ सेहलंग में हुई जागरूकता बैठक में बाली एसएमओ डॉ. प्रभा यादव, गर्भवतियों का पंजीकरण जरूरी



नारनौल। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित करते एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह।

एसआईआर : बीएलओ और सुपरवाइजर को दिया प्रशिक्षण

■ एसडीएम बोले, पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ इस राष्ट्रीय कार्य को समय पर पूरा करें

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

पंचायत भवन में शुक्रवार निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में 68-अटेली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सुपरवाइजरों और बीएलओ को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। एसडीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ इस राष्ट्रीय कार्य को समय पर पूरा करने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची किसी भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण बुनियाद होती है, इसलिए इसमें पूरी तरह शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना हर अधिकारी की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है। सभी बीएलओ द्वारा

घर-घर जाकर विवरित किए गए फॉर्मों को वापस एकत्रित करने और उनके संपूर्ण डिजिटाइजेशन का कार्य आगामी 14 जुलाई 2026 तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाना है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को इस कार्य में तेजी लाने और शुद्धता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मास्टर ट्रेनर साकेत कुमार ने उपस्थित सभी सुपरवाइजरों और बीएलओ को बीएलओ ऐप की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने ऐप पर गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से व्यावहारिक जानकारी दी ताकि फील्ड में कार्य करते समय किसी तकनीकी समस्या का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही निर्वाचन विभाग द्वारा आगामी चुनाव गतिविधियों और मतदाता सूची के पुनरीक्षण का पूरा श्रेष्ठ्य ल भी साझा किया। उन्होंने बताया कि 21 जुलाई को मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया जाएगा।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेन्द्रगढ़।
नारनौल :- सत्य लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

निर्धारित समय से पहले एसआईआर कार्य पूर्ण करने के निर्देश, प्रशासन हुआ सक्रिय

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेन्द्रगढ़

निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम योगेश सैनी के नेतृत्व में उड़नदस्ता टीम द्वारा जिले के विभिन्न गांवों एवं बूथों का दौरा कर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर प्रत्येक बूथ की प्रगति की जानकारी ली तथा कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण अभियान के दौरान टीम ने महेन्द्रगढ़ शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक बूथों का दौरा किया। इनमें खुडाना, बसई, सतनाली, श्यामपुरा, पथरवा, नगला, जवाहर नगर, सुरती, पिलानिया, बलाना सहित अन्य गांवों के बूथ शामिल रहे। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों से कार्य की प्रगति रिपोर्ट ली और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। तहसीलदार अजय कुमार सैनी ने कहा कि फील्ड स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है और प्रत्येक बूथ की रिपोर्ट नियमित रूप से ली जा रही है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य यह है कि कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय से पहले पूरा किया जाए। नायब तहसीलदार बिजेंद्र शर्मा ने बताया कि टीम द्वारा लगातार गांवों का दौरा कर वास्तविक स्थिति का



आंकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां भी कमियां पाई जा रही हैं, वहां तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जा रही है। अन्य अधिकारियों ने भी कहा कि एसआईआर कार्य को गंभीरता से लेते हुए सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करें, ताकि कार्य समय पर और सफलतापूर्वक पूर्ण हो सके। यह निरीक्षण अभियान प्रशासन की सक्रियता और जमीनी स्तर पर कार्य की निगरानी को दर्शाता है, जिससे आगामी समय में कार्य की गति और अधिक प्रभावी होने की उम्मीद है। इस दौरान हरीश्वर सिंह रावत, राम प्रकाश शर्मा, श्याम प्रकाश, हिरा लाल, संजय शर्मा, सुनिल कुमार, मुकेश कुमार सहित अन्य सुपावाइजर एवं बीएलओ उपस्थित रहे।

पीएम जनऔषधि केंद्र का किया निरीक्षण

नारनौल। प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना के तहत नागरिक अस्पताल के सामने स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का हरियाणा नोडल ऑफिसर ओमप्रकाश वर्मा ने वीरवार शाम को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि आम लोगों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं मिल रही हैं या नहीं। इस दौरान ओमप्रकाश ने दवाओं के रख-रखाव, उनकी एक्सपायरी डेट साफ्टवेयर रजिस्टर में दर्ज दिक्कत की भी जांच की। हालांकि जांच के दौरान कोई भी किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं मिली। उन्होंने फीडबैक लिया तो मरीजों ने बताया कि यहां मिलने वाली दवाएं क्वालिटी की तुलना में काफी सस्ती हैं। इस अवसर पर ओमप्रकाश वर्मा ने कहा कि जन औषधि केंद्रों पर मिलने वाली जेनरिक दवाएं बांडेड दवाओं की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक सस्ती होती हैं, जबकि उनकी गुणवत्ता पूरी तरह मानकों के अनुरूप होती है। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य हर वर्ग तक सस्ती और प्रभावी दवाएं पहुंचाना है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे अधिक से अधिक कम केंद्रों से दवाएं खरीदें। इससे कम लागत में बेहतर इलाज का लाभ समाज के हर उच्चस्तरमंद व्यक्ति तक पहुंच सकेगा। उन्होंने केंद्र पर पहुंचे मरीजों और गाहकों से बातचीत कर स्टोर का फीड बैक लिया। जौकि अनुकूल मिला। नोडल अधिकारी ने डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे इलाज के दौरान से जेनरिक नाम लिखे नाकि बांडेड जिससे मरीजों की आर्थिक बचत हो सके।

1 जुलाई को करेंगे विरोध प्रदर्शन

जिला सचिव चित्तामणि गुप्ता ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर एक जुलाई को प्रदेश के सभी उपयुक्त मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि इसके बाद भी सरकार ने सर्विस एक्ट के तहत पात्र कर्मचारियों के ऑफर लेटर जारी नहीं किए तो 17 जुलाई को अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के आह्वान पर बिजली मंत्री अनिल विज के आवास का घेराव किया जाएगा। इसी दिन आंदोलन की आगामी रणनीति तय करते हुए बड़े एवं निर्णायक आंदोलन की घोषणा भी की जाएगी। जिलाध्यक्ष राजवीर शेखावत ने कहा कि सरकार ने चुनाव के समय कर्मचारियों से जो सझा किया था, उसे अब हर हाल में पूरा करना चाहिए। यदि सरकार अपने वादे से पीछे हटती है और कर्मचारियों की मांगवाओं की अनदेखी करती है तो इसका राजनीतिक प्रभाव भी पड़ सकता है। कर्मचारियों ने सरकार पर विवास किया था और अब सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उस विवास को बनाए रखे। इस मौके पर जिला कार्यकारी अध्यक्ष उमेश जाजिड़, उपप्रधान सोनू यादव एवं मुकेश भट्टी, सह सचिव अनूप, जिला सलाहकार सुरज कौशिक, संगठनकर्ता प्रवीण (डीडीओ), जिला प्रेस सचिव अशोक सैनी, कार्यकारिणी सदस्य सोनम कुमारी, अजीत यादव, बलवीर यादव, नारनौल डिवीजन प्रधान रामोतर यादव तथा महेन्द्रगढ़ डिवीजन प्रधान सरजीत खटाना सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।



नारनौल। बैठक करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

सत्यापन कार्य लंबित में कर्मचारियों की नहीं कोई गलती : जाखड़

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कर्मवीर जाखड़ ने कहा कि यदि एचओडी स्तर पर सत्यापन कार्य लंबित है तो इसमें कर्मचारियों की कोई गलती नहीं है। सरकार को सभी लंबित सत्यापन कार्य तत्काल पूरा करवाकर पात्र कर्मचारियों के ऑफर लेटर जारी करने चाहिए। केवल समय-सीमा बढ़ाने से कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब देने लगा है और प्रदेशभर के अनुबंधित कर्मचारियों में भारी नाराजगी व्याप्त है।